

शिको। स्वप्तिरगतिमा

यकेयसपिनेलाया

काकालागरसकोय

यादुरयादेसकली

संथुन। तयादिष्व

तेपुमायको। तयावा

रको

ASHA ARCHIVES

आशम अरुकाथि

1.056

ASHA ARCHIVES



वसे
क्रोश



धजत्रयाभेदगठेधाल

कुकुमगालननीया

प्रत्तसंयमोप्रोनीती

यतापुजायायवेरे

सकलमासोवस

ॐ नमः शिवाय ॥ किल नमः शिवाय ॥

टय नहि या हि मंत्र कर य सुवा य हे जा य ॥ धाल ७ ॥ ध्व मंत्र न दा उ व व य
ति वा उ न फ या सु के ॥ ॐ न म गुरु आ जा ॥ दृ रा उ म रा उ ल जाल जो गि
मा हा चं रि उ ति धी जो गि का ल जो गि भु त जो गि म सा न जो गि सि धि अ सि धि
रि धी सि धी जो गि था क ह य स्वा हा फ त ॥ धाल ७ ॥ ध्व मंत्र न वा कि ले न
प्र या प्र य ॥ १ ॥ ॐ न म गुरु को आ दे स ॥ वा त व न न क र्मु कं वा न सा
ध्या मा र्जो ग वा न सि र म सा न च क वा न चार प रा उ र जो र सि धि का म रु धा त
हो हो चं रि उ कारि का यि हा आ वा सि धु ति धु मा र स्वा हा ॥ धाल ७ ॥ ध्व मंत्र
न स्वा वि पि का य ॥ ॐ न म गुरु को आ दे स ॥ या चं रि उ भा र सि म स म स जो न न

धुकलेतय अविगा ० गुरुकिं स गति ० मेरि भगति ॥ धाल १ ॥ मि रा १
 केयाय सलाय १ य ॥ ॐ नम गुरु आजा ॥ महादेव कि सार छे त वाई छे त
 स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्व मंत्र रा सा पा नि पि का य ॥ ३ ॥ ॐ रा म गुरु आजा
 ॥ ॐ रा म गुरु को आदे स ॥ नो ना नो ना महिर गाता फल यंत्र एउ पच
 रा ३ स्वाहा ॥ धाल १ ॥ फल मंत्र ई श्वर उवाच ॥ धाल १ ॥ ध्व मंत्र रा
 विज प त्या व दो न को कि मि द व या पु य ॥ ॐ नमो गुरु को आदे स ॥
 सुला सुल महा सुल उदर फतेर फलु होय ० म सा रा सि धि फल म

त्रैश्वर उवाच ॥ धात १ ॥ थ मंत्र न गार सुत या व्रपु य ॥ १ ॥ ॐ नमो गुरु
 को आदे स ॥ रं प क मा लि सु म र रा सा रि म ल क ट शु क्र व हि गे ल ह्या हा फ
 ले म त्र इ धु र उ वा र ॥ धात २ ॥ थ मंत्र रा बं पा ह्या रा म त्र या उ न व धु य के ॥ ॥
 ॐ नमो गुरु को आदे स ॥ ॐ सि धि सि धि सा र म सा न क रा भा र भु त पे ता सिं
 धु र सि धि ह्या हा ॥ धात २ ॥ थ मंत्र न सि धि ल मं त्र या उ ना टि के ॥ ॐ नमो गुरु
 को आदे स ॥ न य न पि लि आ व य म रि ख र ध र न र के ता का च आ रि वि पि लि
 ना स य ह्या हा ॥ धात २ ॥ थ मंत्र न म ले न या व र पु य ॥ ॐ नमो सि धि
 गुरु को आदे स ॥ का ला न सिं ह ॥ भु त रा र सिं ह क पि ला रा र सिं ह रा र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सा रसिह येतानरसिंह हृसा रा प्रा रा रक्ष्मा करव फल मंत्र ईश्वर उवाच
धाल ॥ ध्व मंत्र न सं कट स थ व ल क व च ॥ ॐ नमो सिद्धि गुरु को आ व
॥ गा धि गा धि ति नि गो ता रा नि सु पा रि त्वा ये ते :: तु रं ता सि धि पा व य
फल मंत्र ईश्वर उवाच ॥ धाल ॥ ध्व मंत्र न गो य न के ॥ ॐ नमो गुरु
को आदि सु ॥ सा रति पु ष्य सो भित र च ना सि र मो थे धार य न न भ्रम
ते जा युः :: ओ हि पु रु ष सं ग जा य स्वा हा ॥ धाल ॥ ध्व मंत्र न जिल
स्या न कु य के ॥ व स्य क र्त्त फल मंत्र ईश्वर उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ध्व मंत्र गा जिल स्या न कु य के ॥

[illegible]

१५०३
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वृत्ति धाजिदः धवृ ह्नायाः लघुर्जुः जुलो ॥ ६६ ॥ ॐ नम गुरु
आग्याः गेथ भम ताथ स्वाहा ॥ धात ७ ॥ धवृ मन्त्र न वा वृ गोत्र
मन्त्रः मन्त्र न जप या यामि स्वायता कथ के ॥ मन्त्राटेव यका वृत्त
यजु ल ॥ धात ७ ॥ ॐ नम सिद्धि गुरु आग्याः ॥ ॐ नमो आ ज्ञान मो
आट जाय फट् ३ रु फल स्वाहा ॥ धात १३ ॥ धो मन्त्र न उथे न वा वृ गोत्र
मन्त्र या उगृ ह्मि स च यका वृ द्वा य ॥ लि का या वि धी थो जु ला ॥
ॐ नमो सिद्धी गुरु आग्याः ॥ ॐ नमो सिंहः विन वद मुच वृ मजं

॥ पा ध त्या क मो ल त्या क ध न त्या क : सक ता या जि व ॥ ३ ॥ जु जु न
जे न रा रा य ॥ ३ ॥ वि त य त्वा हा वि क न न य : त या व : सु या क स : न
द य सौ : गु त घा स य व ॥ न धा न वि त का य गु : वि त न स नु इ व नु ल
॥ ३० ॥ ६ ॥ ३ ॥ न मो गु रू आ ऽ पा ॥ ३ ॥ की न ज मा हा न स क र्ना कि कि
कि त्वा हा ॥ धा ल ॥ ॥ धो म उ न : रा स ९ उ न ह व गु व के नु ल ॥ ३ ॥ न मो ति
धि गु रू आ ऽ पा वि ह्मा च रा : वि ह्मा का ले जौ वि त ल मा वि उ न जं व
उ न ३ धा ल हं जा ता वि उ न फ ल म न्र उ र व ल के वा च्चा त्वा हा ॥ ३ ॥

विष्णोः देवकायगु ॥ कोकविष्टिहोरासा ॥ २

॥ ध्यात ॥ थो मंत्रन त्वानजप यावदुययस्य यायनुलो ॥ ॐ माहा
कालि का सतः लुं लुं लुं त्वा हा ३ जिंलि जिंलि जिंलि त्वा हा ३ चं चं चं
गुरु त्वा हा ॥ ध्यात ॥ थो मंत्रराः मि सा वस्य या य गु लु लु ॥ हि ॥
सि सि वा सि सि वा कालु मालु त्वा रु फल त्वा हा ॥ ध्यात ॥ थो
मंत्रराः भुतपेत दाकिराः वा क सि नः पि रे या यि वे लः ॥ ॐ
रे या य गु लु लो ॥ ७७ ॥ ॐ का म ना कु लु धा त्वा हा ॥ ध्यात १००ः ट ॥
सि धी गुरु आ गण धुं धुं धुं सिः धल का मा हि या फल त गा ध

पला गुरु के सक। टि मेरि भगा वटिः फल मंत्र ईस्वर के वाचाः॥ मि
ला यादे पातुति हुगु धुतः मिजन न ज प्रतुति हुगु धुतः क। य। मिजन
चो फरा उगधः॥ थचा मुलि चि जन नः मि सा था। त। कये केः वखे। गुई
व धुल ॥ ॐ॥ म दे वि व ज्ञा क का म्मा म्मा ह्रि ह्रि ह्रि ३ स्वा हाः हुं हुं हुं
स्वा हा ३ ड ड ड स्वा हा ३ धा त ॥ थो मंत्र नः जि वा जंतु या मि
स्वा ह्ते या य गु जु लो ॥ २॥ ॐ नमो सि धि गुरु उर रखा ना धते ई
त्यर मो हनि ॥ ॐ नम गुरु आ म्पाः॥ ॐ रा जा मो हनिः। पर जा मो हो रि।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सकल मोहनि ॥ राजाः प्रजा ॥ पश्य मोहोनि ॥ बुभुभिभिदेहुं फल तत्त्वाहा ॥
थो मंत्रन ॥ धात ॥ धा का जुये जुल ॥ ३६४ ॥ ॐ न भगवति वाचा धुक्किं क्रिं
फिं फिं त्वाहा ॥ अ ॐ स्वाहाः रं रं रं त्वाहा ॥ धात ॥ थो मंत्रन मन्वा
यके फयके जुल ॥ ७ ॥ ॐ हुं फल तत्त्वाहा ॥ ॐ सार सारिः सार मो वय हत्र
॥ स्वाहा ॥ थो मंत्रनः पि त्वा या प का य जुल ॥ मो हल अड दाल का यि दु फ
गुरु ओ गपा म जा दे वि यन म त्वाहा ॥ धात ॥ थो मंत्रन ॐ हुं
वाचा उल गन म म पत्र त्वाहा ॥ हि य मंत्रा सि हल ना यि मं द्वि ज उ न
प्रत्या चर मा ॥ २० ॥

ASHA ARCHIVES

1058

1058

ASHA ARCHIVES



1058



संस्कृतः

मुद्रा

संस्कृतः

किया प्राप्त तुदावगुलिकपुलमलेतयगु॥ मचावयमप्रसाधामि
सायानामं दुधकानेन्ये प्रमिसाया नाप्रकिगदलुकायज्येत
हृकसकिगगुरुया नाप्रतान्ये ध्ववा सधाके सात मोचा काहा
वयव नं हाता सनी लि काय ध्ववा स ॥ हि वि गय प्रा स युषो त्मा

सनुय

गोविं मथिवि को कादद ॥ हार केरर गस्तपिं दूरिं उाप्रसि
कीराभारि कुम ॥ ३ गोस्व ता थकि वाचा ॥ ४
कहा तात भेसात भौम सातसिं घागुरु किवाचा ॥ नरसिं घा रु
किवाच ॥ आपि गोरागु य ॥ परमेस्वर गुरु आग्या ॥ महि यतह ॥ कि
न कुमारी कालि कुत वरि दारि उपपदे जपं तब वंदारि मापदे महे देवि
त्यनि न कालरदि मिहै स्वाहा ॥ धात ॥ ३ ॥ ध्रमे उधुत कायावज पया
अवहोले तुई के ॥ हुं हे कालि माहा कालि संघार कालि हुं ॥ धात ३ ॥

गोस्व ता क थागु य

ॐ ध्वं मंत्रगा चोत त्वगाधिद्वयवो कसि याने ॥ परमेस्वरसिद्धिगुरु आग्या
श्री गो र्धना धा त्वा म्या हुं फक्त स्वाहा ॥ धात ३ ॥ ध्वं मंत्रलो ह्युत्त सा अट
जुल सा धुत्त ॥ जुल सा मंत्र या उन प्र क य के ला हा त्व धुत्त ३ ॥ परमेस्वरगु
रु आग्या का बालि का सि ने पाल देवि कु फक्त रु स्वा हा ॥ धात ३ ॥ ध्वं मे
लु गि या तो य द्वा य ॥ ॥ परमेस्वरगुरु आज्ञा त्वस्वस्व रु स्वा हा ॥ धात ३
॥ ध्वं मंत्र सा री गि या तो य द्वा य ॥ गति का य ॥ परमेस्वरगुरु आज्ञा दे दे
वि सि ते ॥ देवि रु स्वा हा ॥ धात ३ ॥ ध्वं मंत्र ए सु पत नै का या व
यो रु रु

ध्वं मंत्रलो ह्युत्त सा अट

स्वर्था ध्यातुः प्र मंत्र या उग्र धतो ता हो यला ध्याय ॥ ॐ गु रु आ ज्ञा
 अं का ल ग या प हारि मार ७ ॥ प त म्हा या धा सि मा रु ॥ (वा हा चक्र
 ले छा मि रा यौ ॥ उ धा ला मु षि ले पो त्रि मारं ७ ॥ म्हा कि वा चा गो र्वे ना
 था कि वा चा न र सिं धा कि वा चा वि ज वि जा उ ने कि वा चा ॥ स ते कि वा चा ॥
 धा त १ ॥ ध्व मंत्र न ज प ल पा व ॥ द व सा न उ नि म दु सा का चि ला हा हा
 ऊ ह ह ने ता न पा धा उ न व न के ॥ मे व म म्हा उ न व त प्र ७ या ७ लु ता
 या उ न गु न य वं । ता नि गु तं ॥ ॐ गु रु आ ग्या ग्नी स्व ति पि धि अं का स

प्रथम मंत्र या उग्र धतो

गु मा ७ र ता न मे

मंत्र वा उता न के ॥ श्री जं गाला वा गे वते रे मु तु मा गारी मु तु मा
ज्हा रं नारी मा गार नारी मा ज्हा रं उ मा हुं म गु रु कि वा चा इ सो
र मा हो दे वा कि वा चा इ सो र मा हो दे वा कि वा चा ले ज्हा रं ॐ ॐ
गुरु आज्ञा विष मारने विष मारने फट त्या हा ॥ धात १ ॥ थ मंत्र नं वि चा उग गु
जंतु नं उग गु पु ये ॥ गुरु आज्ञा भु त मारने पेत मारने दा कि नि मारने सा कि नि मारने
सत्र मारने म सान मारने पाति मारने पु र्व मारने पदि म मारने दृ षि रा मारने
उत्र मारने ऊ फट त्या हा ॥ धात १ ॥ थ मंत्र रा भु त पेत रा पु क्रान व सा पु ये
गुरु आज्ञा के ला स प र्व हे रा रोज के ज ता धारे व से व से वि धि वि धी सु वृ णि सु
पु र्वी रा रे च रे मे रा के रे के रे ऊ फट त्या हा ॥ धात १ ॥ क पात दु ये का पु क ने

प्रास्ताविक पुस्तक ॥ फलक १॥

गुरु आज्ञा विरिगाचिनि विरिगा विरिगा हा रिगा हा रिगा हं स हं स र्मा रवा लं कुन गुन
कारो फल ते सिधु फल स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्वमंत्रं गो व्याख्या कृते ॥ गुरु आज्ञा
श्री श्री अकास देवि यो रागत ध्वं के स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्वमंत्रं गो हि हि गुपुये
गुरु आज्ञा श्री श्री अकास देवि अकासनं फल स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्वमंत्रं नं अकासं
फल गुलि पुये ॥ गुरु आज्ञा ऊं जु जु स्वाहा ऊं जु जु स्वाहा ॥ धाल १ ॥ सा पा वि क पु ये
गुरु आज्ञा रि पा प ते त्रि तारि हं फल स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्वमंत्रं नं मि रवा त्या क
पु ये ॥ गुरु आज्ञा चि लि चि लि स्वाहा ॥ धाल १ ॥ ध्वमंत्रं नं पु पु ये ॥
गुरु आज्ञा चारै किला चारै हि स्वा श्री स ह्मा र ग र मे रा गुरु न र सिं च गुरु

अथ विष्णु स्तोत्रम्

२०२१

ॐ फेरु स्या हस्त धाल ७॥ ध्व मे व्रनं वज्ञा पुइ ग पुये ॥ श्री गुरु ग

सो सायन म गुरु गरो सायन म गुरु गरो सायन म चोहि मोहि स्या हा ॥

चोहि मोहि स्या हा चोहि मोहि स्या हा ॥ धाल ७॥ ध्व मे व्रनं तुउ पुये ग ॥

गुरु आज्ञा वातो मधी वातो सातो आयो नानि धुंगा माठी धुंगा सातो

आयो नानि वाया माठी वाया सातो आयो नानि मेरा माठि मेरा सातो आयो

नानि कुरु माठि कुरु सातो आयो नानि गार्ह माठि गार्ह सातो आयो

नानि मैरि माठि मैरि सातो आयो नानि घेरा माठि घेरा सातो

आयो नानि हाति माठि हाति सातो आयो नानि गंगा वारि गंगा

पारियो सा तो अहिं स पवि काले दे गुरु ॥ धाल १ ॥ थ मंत्र न सा तो
गुरु आज्ञा पूर्व भैरव जा गय दिम भैरव जा गद। छिरा भैरव जा ग
उत्र भैरव जा ग मेरा जं ब्रज गा उदे उरु रु ॥ धाल १ ॥ थ मंत्र रां जं ब्रज गा यावे
गुरु आज्ञा प्रजाति नि आज्ञा मंत्र लुजा वि आज्ञा गुरु गुन वैरा मन
भाल्या होये ॥ मन उदास गरि स व पर वत मेरिया सम चलि आउनु गुरु
॥ धाल १ ॥ थ मंत्र न संकलित जिगु व ले जु या व कई गु पु ये ॥ गुरु आज्ञा श्री
कुमारि अक्ष कुमारि वाल कुमारि फट सो हा ॥ धाल १ ॥ थ मंत्र न मै किं
सको क सेन कल सा नि ना ह्य मंत्र या - ये प्रयो क से द्या ये भि ऊ

गु रु ग ने स का वि र मा हा मा हा वि र मा हा जौ र का था हुं फ ट त्या हा
 धा ल ॥ २ ॥ अ मंत्र नं म चालो ये वे ठा जु व गु पु ये म ॥ ३ ॥ न मो वा रा
 हि न म त्या हा धा र ॥ ४ ॥ अ मंत्र नं मि सा त य गु जा मा फे न्य गु
 अ मंत्र नं थ व त न र व या पु तु गा दि सो ति वा गा दी उा व ल्य ध न
 या ये धा र ५ रु न या य ता ता म सा या गु ना म की या प्र फे उ ग
 धो ये ॥ ६ ॥ अ मंत्र नं मी सा त य प ता ति वा जि फे ने गु मंत्र

गु रु ग ने स का वि र मा हा मा हा वि र मा हा जौ र का था हुं फ ट त्या हा
 धा ल ॥ २ ॥ अ मंत्र नं म चालो ये वे ठा जु व गु पु ये म ॥ ३ ॥ न मो वा रा
 हि न म त्या हा धा र ॥ ४ ॥ अ मंत्र नं मि सा त य गु जा मा फे न्य गु
 अ मंत्र नं थ व त न र व या पु तु गा दि सो ति वा गा दी उा व ल्य ध न
 या ये धा र ५ रु न या य ता ता म सा या गु ना म की या प्र फे उ ग
 धो ये ॥ ६ ॥ अ मंत्र नं मी सा त य प ता ति वा जि फे ने गु मंत्र

गुजिफेने

५॥

गुरुसहस्रनाम ॥ धनंतरि वाग्वानि ईश्वरकिवाचा ॥ मोतु मोतु कैवाइ
हानिकातिदे छेदिदे फटात फुटदाहानि यो कस्सी भुत प्रतपित्तास्य
वैठलागतन वहर वहरलागतन ईश्वर माहादेकिवाचा ॥ नाम ॥ गौरा पार
वति किवाचा ॥ धार ॥ २॥ ११॥ ४१॥ गुरुआज्ञा पीत धरन माहादेवी यरज
पुस्तक धारिनिहंसासि आदि माता श्रीब्रह्मायनिन महुं फत स्याहा ॥ धा १५
ध मंत्रन गुपतनि वपुदय के काचिकांगु प्रसहिने बोला दुगत सनो वाचिकेन वा
घ्याउग ॥ वपित द्रवह्माया नाम काया वपुयात्र को काय जुत ॥

गुरुसहस्रनाम धनंतरि वाग्वानि ईश्वरकिवाचा ॥ मोतु मोतु कैवाइ
हानिकातिदे छेदिदे फटात फुटदाहानि यो कस्सी भुत प्रतपित्तास्य
वैठलागतन वहर वहरलागतन ईश्वर माहादेकिवाचा ॥ नाम ॥ गौरा पार
वति किवाचा ॥ धार ॥ २॥ ११॥ ४१॥ गुरुआज्ञा पीत धरन माहादेवी यरज
पुस्तक धारिनिहंसासि आदि माता श्रीब्रह्मायनिन महुं फत स्याहा ॥ धा १५
ध मंत्रन गुपतनि वपुदय के काचिकांगु प्रसहिने बोला दुगत सनो वाचिकेन वा
घ्याउग ॥ वपित द्रवह्माया नाम काया वपुयात्र को काय जुत ॥

श्री गुरु आग्या की जय सकोर खर ना ते सी ते ज्वाला मुख दे हुं हे सर सर
सीधी सीधी काली का हुं प्री वत स्वाप्ता ॥२४॥ धार ॥ तार न त य
ॐ श्री गुरु आग्या श्री गुरु जी ना य कथा आग्या श्री काल भै हर वया आग्या स ते
स ते स्वाप्ता ॥ धार ॥ २५ ॥ म चा त या ता तार न त य तुल
ॐ नम श्री गोर देश ना भै य हर ना द या ना दै त म काली स्वाप्ता
श्री गुरु आग्या फकी रयी मा वो क से आग्या वं वरु गुरु सी पा ती द
देवी ति गुरु देवी का आग्या वाचा श्री हुं शरि हुं नमो न स्वाप्ता
श्री गुरु आग्या ॐ अक्षरि ति हुं थ कोरी करि ल द्रा य नी भै रवा य नी ति रि नमि
हुं नमो न स्वाप्ता